दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 26 गुरूवार 15 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रूपया www.bhartiyabasti.com

शुभकामना

स्वतंत्रता दिवस पर दैनिक भारतीय बस्ती के पाठकों, शुभेच्छुओं, विज्ञापनदाताओं,वितरकों सहित जन–जन को हार्दिक शुभकामना–

– सम्पादक

अवकाश सूचना

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दैनिक भारतीय बस्ती प्रेस एवं कार्यालय बंद रहेगा। आगामी अंक 17 अगस्त को प्रकाशित होगा।

–व्यवस्थापक

देश का बंटवारा मानवीय त्रासदी– राष्ट्रपति

नई दिल्ली (आभा)। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 1947 में हुए भारत–पाकिस्तान के बीच बंटवारे को मानवीय त्रासदी बताया। राष्ट्रपति ने सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई भी दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, 'मैं आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि देश 78वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाने की तैयारी कर रहा है। इस अवसर पर तिरंगा फहराते हुए देखना, चाहे वह लाल किले पर हो, राज्य की राजधानियों में हो या स्थानीय इलाकों में, हमेशा हमारे दिलों को रोमांचित करता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, '14 अगस्त को, राष्ट्र विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मना रहा है, जो विभाजन की भयावहता को याद करने का दिन है। जैसे ही महान राष्ट्र का विभाजन हुआ, लाखों लोगों को मजबूरन पलायन करना पड़ा, लाखों लोगों ने अपनी जान गंवाई। स्वतंत्रता दिवस मनाने से एक दिन पहले, हम उस अभूतपूर्व मानवीय त्रासदी को याद करते हैं और उन परिवारों के साथ खड़े हैं जो टूट गए थे। हम संविधान की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।'

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, 'परंपराओं और उनकी अभिव्यक्तियों की विविधता को एक करने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी थे, जो हमारे मार्गदर्शक थे। साथ ही, सरदार पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और बाबासाहेब अंबेडकर जैसे महान नेता थे, साथ ही भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और कई अन्य भी थे। यह एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन था, जिसमें सभी समुदायों ने भाग लिया। आदिवासियों में तिलका मांझी, बिरसा मुंडा, लक्ष्मण नायक और फूलो–झानो जैसे कई और लोग थे, जिनके बलिदान की अब सराहना हो रही है। हमने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाना शुरू कर दिया है। अगले साल उनकी 150वीं जयंती का जश्न राष्ट्रीय पुनर्जागरण में उनके योगदान को और अधिक सम्मानित करने का अवसर होगा।'

राहुल नवीन ईडी के नये निदेशक

नई दिल्ली (आभा)। केंद्र सरकार ने बुधवार को 1993 बैच के आईआरएस अधिकारी राहुल नवीन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का निदेशक नियुक्त किया है। राहुल नवीन ने पिछले साल सितंबर में पूर्व निदेशक संजय कुमार मिश्रा के कार्यकाल की समाप्ति के बाद प्रवर्तन निदेशालय के प्रभारी निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला था।

14 अगस्त को जारी एक सर्कुलर में नवीन की नियुक्ति की पुष्टि की है। जारी सर्कुलर के मुताबिक, 'कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने राहुल नवीन, आईआरएस विशेष निदेशक, को ईडी के निदेशक के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दी है। यह नियुक्ति दो वर्षों के लिए प्रभावी होगी।

57 वर्षीय नवीन नवंबर 2019 में ईडी के विशेष निदेशक नियुक्त किए गए थे। अंतरिम ईडी प्रमुख के रूप में नवीन के कार्यकाल के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अलग–अलग धन शोधन मामलों में हाई–प्रोफाइल गिरफ्तारियां हुईं।

उच्चतम न्यायालय द्वारा संजय कुमार मिश्रा को जांच एजेंसी के निदेशक के रूप में बार–बार दिए गए कार्यकाल विस्तार को 'अवैध' करार दिए जाने के बाद केंद्र ने उन्हें कार्यवाहक ईडी प्रमुख नियुक्त किया था। शीर्ष अदालत ने मिश्रा के लिए बार–बार सेवा विस्तार मांगने पर केंद्र सरकार की खिंचाई की थी और पूछा था कि क्या वर्तमान प्रमुख को छोड़कर पूरा विभाग अक्षम लोगों से भरा हुआ है।

तिरंगा यात्रा में उमड़े लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भाजपा द्वारा चलाये जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी की अगुवाई में भव्य तिरंगा यात्रा निकली गई। शास्त्री चौक से सुरु होकर गांधीनगर, रोडवेज, जिला अस्पताल चौराहा, दक्षिण दरवाजा, मालवीय रोड होते हुए नेता जी सुभाष बोस चौक पर समाप्त हुई। पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी और जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने नेता जी सुभाष बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सभी को अपने घर तिरंगा फहराने का आग्रह किया। उत्साहित कार्यकर्ताओ द्वारा सड़कों पर भारत माता की जय के नारों का उद्घोष हुआ।

सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर हर घर तिरंगा अभियान शुरू किया गया है। घर–घर तिरंगा लहराकर हमें स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति नमन की भवना को सुनिश्चित करना चाहिए। हरीश द्विवेदी ने कहा कि तिरंगा हमें राष्ट्र के प्रति समर्पित और राष्ट्र सेवा की भावना को बताता है। इसलिए हमारा फर्ज है कि हम तिरंगे की आन बान शान के लिए किसी भी प्रकार का समझौता न करें।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का एक प्रयास है। कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का प्रयास है। हर घर तिरंगा अभियान देश की आन बान शान के लिए कुर्बान होने वालों को नमन करने का मौका देता है।

इस मौके पर अनूप खरे, गोपेश्वर त्रिपाठी, भानु प्रकाश मिश्र, सुरेन्द्र तिवारी, राकेश श्रीवास्तव, प्रमोद पाण्डेय, अंकुर वर्मा, अभिषेक कुमार, गजेन्द्र सिंह, देवेन्द्र सिंह, गिल्लम चौधरी, अनिल दुबे, अमृत कुमार वर्मा, दिलीप पाण्डेय, दुष्यंत सिंह, अलोक पाण्डेय, चन्द्र मणि पाण्डेय, अभिनव उपाध्याय, अखिलेश शुक्ल, दिलीप भट्ट, इन्द्रजीत चौहान, सतेन्द्र सिंह भोलू, अमित गुप्ता, पंकज शुक्ल, गौरव अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 15 अगस्त 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

स्वतंत्रता की विकास यात्रा

ऐसे समय में जबकि पड़ोसी बांग्लादेश उथल—पुथल का शिकार है भारत अपनी स्वतंत्रता के 77 वर्ष पूर्ण कर 78 में वर्ष में प्रवेश कर रहा है, अनेक सवालों के बीच यह बड़ी उपलब्धि है। 15 अगस्त 1947 का दिन भारतीय के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा हुआ है। इस दिन भारत ने ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता हासिल की और पहली बार दुनिया ने भारत को एक देश में मान्यता दी। स्वतंत्रता दिवस केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं है, बल्कि यह हमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की बलिदान की भी याद दिलाने वाला दिन है और यह हमें देश की एकता और अखंडता की दिशा में प्रयास करके एकजुट रहने की प्रेरणा भी देता है।

स्वतंत्रता हासिल करने की यात्रा में अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान की परवाह किए बिना संघर्ष किया। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और रानी लक्ष्मीबाई जैसे नेताओं ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ बिना रुके अनवरत प्रयास करते हुए लड़ाई लड़ी। गांधी जी ने अहिंसा और सत्याग्रह के मार्ग को अपनाकर स्वतंत्रता संग्राम को एक नई दिशा दी, जबकि सुभाष चंद्र बोस और भगत सिंह जैसे क्रांतिकारी ज्यादा आक्रामक और प्रतिरोध के दृष्टिकोण के साथ सामने आए।

यह परंपरा 1947 से चल रही है, जब देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता की घोषणा की थी। यह ध्वजारोहण समारोह एक प्रमुख राष्ट्रीय उत्सव है जिसमें देश की सशस्त्र बलों, स्कूलों, और कई संगठनों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम और परेड का आयोजन होता है। स्वतंत्रता दिवस केवल एक ऐतिहासिक दिन नहीं, बल्कि यह एक अवसर है जब हम अपने देश की प्रगति और चुनौतियों की समीक्षा करने का अवसर मिलता है। यह हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता का सही मतलब सिर्फ राजनीतिक आजादी नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक न्याय भी इसमें शामिल है। 15 अगस्त भारतीय स्वतंत्रता का प्रतीक है और यह हमें हर साल एक नई प्रेरणा देकर जाता है। साथ ही यह दिन हमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और संघर्ष की याद दिलाता है ताकि हम आजाद होने के महत्व को याद रखें। यह दिन देश की प्रगति के लिए हमारी जिम्मेदारियों को समझाता है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने देश को और ज्यादा मजबूत, एकजुट और समृद्ध बनाएं।

हमारा देश भारत 15 अगस्त 1947 को ब्रिटिश हुकूमत से मुक्त हुआ था। ऐसे में हर भारतीय के लिए 15 अगस्त गौरव का दिन है। हिंदुस्तान को आजाद कराने के लिए महात्मा गांधी, भगत सिंह, मंगल पांडे, लाला लाजपत राय, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, सुभाष चंद्र बोस समेत सैंकड़ों स्वतंत्रता सेनानियों ने दशकों तक आजादी की लड़ाई लड़ी। आजादी की सालगिरह इन महापुरुषों को नमन करने का भी दिन है।

देश को आजाद हुए करीब 8 दशक हो चुके हैं और इस दौरान देश हर मोर्चे पर दुनिया भर में अपना धाक जमा चुका है। साइंस, टेक्नोलॉजी, आर्थिक, कृषि, शिक्षा, साहित्य, खेल समेत तमाम मोर्चों पर भारत बहुत तरक्की कर चुका है। परमाणु क्षमता संपन्न देश भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल कर चुका है। विकास के हर क्षेत्र में भारत बहुत आगे बढ़ चुका है। दुनिया भारत की ओर देख रही है। आजादी के बाद अपना संविधान, आम चुनाव, पंचवर्षीय योजनाएं, हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, भारत का परमाणु शक्ति संपन्न बनना, तीनों सेनाओं का ताकतवर व आधुनिक बनना, इसरो, डीआरडीओ, आईआईटी, आईआईएम जैसे संस्थानों की स्थापना, चंद्रयान –3 की सफलता, कोरोना वैक्सीन निर्माण, डिजिटल क्रांति जैसे महत्वपूर्ण पल भारत की विकास यात्रा के अहम पड़ाव हैं।इस वर्ष यानी 2024 में देश की आजादी की 78वीं वर्षगांठ है। भारत अपना 78वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। देश को आजाद हुआ 77 साल पूरे हो गए हैं। हमारी स्वतंत्रता, विकास यात्रा जारी रहे इस दिशा में साझा प्रयास करने होंगे।

स्वतंत्रता, स्वाभिमान और बलिदान की सुदीर्घ परम्परा

—अभिनन्दन पाण्डेय—

इतिहास साक्षी है कि किसी राष्ट्र का गौरव तभी जाग्रत रहता है जब वो अपने स्वाभिमान और बलिदान की परम्पराओं को अगली पीढ़ी को भी सिखाता है, संस्कारित करता है, उन्हें इसके लिए निरंतर प्रेरित करता है। किसी राष्ट्र का भविष्य तभी उज्ज्वल होता है जब वो अपने अतीत के अनुभवों और विरासत के गर्व से पल—पल जुड़ा रहता है। फिर भारत के पास तो गर्व करने के लिए अथाह भंडार है, समृद्ध इतिहास है, चेतनामय सांस्कृतिक विरासत है।जब हम गुलामी के उस दौर की कल्पना करते हैं, जहां करोड़ों—करोड़ लोगों ने सदियों तक आजादी की एक सुबह का इंतजार किया, तब ये अहसास और बढ़ता है कि आजादी के 75 साल का अवसर कितना ऐतिहासिक है, कितना गौरवशाली है। इस पर्व में शाश्वत भारत की परंपरा भी है, स्वाधीनता संग्राम की परछाई भी है, और आजाद भारत की गौरवान्वित करने वाली प्रगति भी है। हम भारत में हो रहे बड़े बदलावों और विकास कार्यों की दहलीज पर खड़े हैं। यह हर भारतीय के लिए उम्मीदों भरा दौर है, एक ऐसा दौर है जिसमें वे बेहतर जिंदगी और बेहतर देश का ख्वाब देख सकते हैं। लिहाजा, यही वह वक्त है, जब हम भविष्य के भारत का ताना—बाना बुनें। हालाँकि जब हम सावधानीपूर्वक इस ओर देखें कि देश क्या बन सकता है तो हमें इस तथ्यात्मक तस्वीर को भी अनदेखा नहीं करना चाहिए कि भारत का एक गौरवशाली अतीत भी है, न सिर्फ आर्थिक समृद्धि के पैमाने पर बल्कि नैतिक मूल्यों के पैमाने पर भी। हमें भारतीय होने पर गर्व है और उन मूल्यों पर भी, जो भारत के साथ जुड़े हैं। एक पुरानी कहावत है कि भारत एक नया देश है, लेकिन एक प्राचीन सभ्यता है और इस सभ्यता ने अपने पूरे इतिहास में जबरदस्त परिवर्तन देखा है।

प्राचीन समय में दुनिया का एजुकेशन हब होने से लेकर आज दुनिया का आईटी हब बनने तक, भारतीय परिदृश्य ने एक लंबा सफर तय किया है। 15 अगस्त 1947 को अपने संदर्भ के ढांचे के रूप में लेते हुए, हम पाते हैं कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था और मानव विकास जैसे कई क्षेत्र हैं जहां भारत ने उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है। हालाँकि, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे कुछ क्षेत्रों पर अभी भी ध्यान दिया जाता है। जब अंग्रेजों ने भारत छोड़ा, तो वे अपने पीछे एक टूटा हुआ, जरूरतमंद, अविकसित और आर्थिक रूप से अस्थिर देश छोड़ गए। स्वतंत्रता के बाद, भारत ने अपनी पहली पंचवर्षीय योजना में वैज्ञानिक अनुसंधान को प्राथमिकता दी। इसने आईआईटी और आईआईएससी जैसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्थानों का मार्ग प्रशस्त किया। स्वतंत्रता के केवल तीन वर्षों के बाद, 1950 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना हुई। इन संस्थानों ने विदेशी संस्थानों की सहायता से भारत में अनुसंधान को बढ़ावा दिया। 1975 में अपना पहला उपग्रह आर्यभट्ट लॉन्च करने से लेकर मंगल ग्रह की कक्षा में पहुंचने वाला पहला देश होने तक, भारत ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की बदौलत अंतरिक्ष अनुसंधान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मविश्वास से भरे कदम उठाए हैं। हम गर्व से कह सकते हैं कि भारत संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन जैसे देशों के बराबर खड़ा है, वही जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी जाता है जहां भारत पूरी दुनिया के लिए टीके का उत्पादन कर रहा है। न्ध की सफलता दुनिया के लिए एक केस स्टडी भी है जिसमें 9.36 बिलियन रुपये का लेनदेन हुआ है। केवल 2022 की पहली तिमाही में 10.2 ट्रिलियन।

भारत को अपनी स्वतंत्रता के बाद कई मुद्दों का सामना करना पड़ा, जिनमें अशिक्षा, भ्रष्टाचार, गरीबी, लैंगिक भेदभाव, अस्पृश्यता, क्षेत्रवाद और सांप्रदायिकता शामिल हैं। कई मुद्दों ने भारत के आर्थिक विकास के लिए प्रमुख बाधाओं के रूप में काम किया है। 1947 में जब भारत ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की, तो इसका सकल घरेलू उत्पाद मात्र 2.7 लाख करोड़ था, जो विश्व के सकल घरेलू उत्पाद का 3: था। 1965 में भारत में हरित क्रांति की शुरुआत हरित क्रांति के जनक एम. एस. स्वामीनाथन ने की थी। हरित क्रांति के दौरान, उच्च उपज वाले गेहूं और चावल के प्रकारों के साथ लगाए गए फसल क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। 1978–1979 तक, हरित क्रांति के कारण 131 मिलियन टन अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ। भारत को तब दुनिया के शीर्ष कृषि उत्पादकों में से एक के रूप में मान्यता दी गई थी। कारखानों और पनबिजली संयंत्रों जैसी संबद्ध सुविधाओं के निर्माण से कृषि श्रमिकों के अलावा औद्योगिक श्रमिकों के लिए भी बड़ी संख्या में रोजगार सृजित हुए।

आज भारत 147 लाख करोड़ जीडीपी के साथ दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो वैश्विक जीडीपी का 8: है। हाल के वर्षों में, भारत में स्टार्टअप्स की संख्या में 15,400: की भारी वृद्धि देखी गई है, जो 2016 में 471 से बढ़कर जून 2022 तक 72,993 हो गई। स्टार्टअप्स की इस अभूतपूर्व वृद्धि ने देश में लाखों नए रोजगार भी पैदा किए हैं।

आज का भारत आजादी के समय के भारत से अलग है। आजादी के 77 वर्षों में, भारतीय बुनियादी ढांचे में भारी सुधार हुआ है। आजादी के 70 से अधिक वर्षों के बाद, भारत एशिया का तीसरा सबसे बड़ा बिजली उत्पादक बन गया है। इसने 1947 में 1,362 मेगावाट से 3, 95, 600 मेगावाट तक ऊर्जा उत्पादन करने की अपनी क्षमता में वृद्धि की। भारत में, उत्पादित बिजली की कुल मात्रा 1992–1993 में 301 बिलियन यूनिट से बढ़कर 2022 में 400990.23 मेगावाट हो गई।

1947 में भारत की जनसंख्या 340 मिलियन थी जिसकी साक्षरता दर केवल 12: थी, आज इसकी जनसंख्या लगभग 1.4 बिलियन है और साक्षरता दर 74.04: है। औसत जीवन प्रत्याशा भी 32 साल से बढ़कर 70 साल हो गई है।

हालांकि भारत ने साक्षरता दर के मामले में उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है, लेकिन उच्च शिक्षा की गुणवत्ता अभी भी प्रमुख चिंता का कारण है। शीर्ष 100 क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में एक भी भारतीय विश्वविद्यालय या संस्थान नहीं है। दुनिया में सबसे बड़ी युवा आबादी के साथ, भारत चमत्कार हासिल कर सकता है यदि इसके युवा उचित कौशल और शिक्षा से लैस हों। स्वास्थ्य, क्षेत्र भी चिंताजनक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रति 1000 लोगों पर 2.5 डॉक्टरों के औसत की तुलना में डॉक्टर—से—रोगी अनुपात प्रति 1000 लोगों पर केवल 0.7 डॉक्टर है। हाल के एक अध्ययन से पता चलता है कि भारत में 65: चिकित्सा व्यय रोगियों द्वारा जेब से चुकाया जाता है और इसका कारण यह है कि सार्वजनिक अस्पतालों में खराब सुविधाओं के कारण उनके पास निजी स्वास्थ्य सेवा का उपयोग करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

ब्रिटिश शासन के अंत के बाद, 1947 में जवाहरलाल नेहरू को भारत के पहले प्रधान मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने भारत के लिए एक समाजवादी—आर्थिक प्रणाली को बढ़ावा दिया, जिसमें पंचवर्षीय योजनाएँ और अर्थव्यवस्था के बड़े क्षेत्रों जैसे खनन, इस्पात, विमानन और अन्य भारी उद्योगों का राष्ट्रीयकरण शामिल है। गाँव के आम क्षेत्रों को ले लिया गया, और बड़े पैमाने पर सार्वजनिक कार्यों और औद्योगीकरण अभियान के कारण महत्वपूर्ण बांधों, सड़कों, सिंचाई नहरों, थर्मल और पनबिजली संयंत्रों, और कई अन्य चीजों का निर्माण हुआ। 1970 के दशक की शुरुआत में भारत की जनसंख्या 500 मिलियन से अधिक हो गई, लेकिन 'हरित क्रांति' ने कृषि उत्पादकता में काफी वृद्धि की, जिससे देश की लंबे समय से चली आ रही खाद्य समस्या को समाप्त करने में मदद मिली।

1991 से 1996 तक, दिवंगत प्रधान मंत्री पी. वी. नरसिम्हा राव और उस समय उनके वित्त मंत्री, डॉ मनमोहन सिंह द्वारा लागू की गई नीतियों के परिणामस्वरूप भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी। गरीबी लगभग 22: तक कम हो गई थी, जबकि बेरोजगारी लगातार कम हो रही थी। सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि 7: से अधिक हो गई। भारत की पहली महिला प्रधान मंत्री, इंदिरा गांधी, चौथे कार्यकाल (1980–84) की सेवा करने से पहले लगातार तीन बार 1966 से 1977 तक पद पर रहीं। भारत ने 2007 में प्रतिभा पाटिल को अपनी पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में चुना। इक्कीसवीं सदी में भारत की अर्थव्यवस्था का काफी विस्तार हुआ है। नरेंद्र मोदी (भाजपा) के प्रधानमंत्रित्व काल में धारा 370 को खत्म करने, रक्षा प्रणालियों को मजबूत करने, स्टार्टअप के अनुकूल वातावरण बनाने और बहुत कुछ जैसे कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। बुनियादी ढांचे और विनिर्माण का विस्तार करने के लिए, मोदी प्रशासन ने 'मेक इन इंडिया', 'डिजिटल इंडिया' और 'स्वच्छ भारत परियोजना' सहित कई कार्यक्रम और अभियान शुरू किए।

आजादी से पहले, प्रिवी काउंसिल भारत में सर्वोच्च अपीलीय प्राधिकरण थी। स्वतंत्रता के बाद पहली कार्रवाई के रूप में इस परिषद को समाप्त कर दिया गया था। प्रिवी काउंसिल क्षेत्राधिकार अधिनियम का उन्मूलन भारतीय संविधान सभा द्वारा 1949 में भारत से अपीलों पर प्रिवी काउंसिल के अधिकार को समाप्त करने और बकाया अपीलों के लिए प्रावधान करने के लिए पारित किया गया था। नए संप्रभु देश के लिए एक संविधान का मसौदा तैयार करना भी आर अम्बेडकर की तेज कानूनी बुद्धि थी। राष्ट्र में सभी कार्यकारी, विधायी और न्यायिक मामलों में, भारत का संविधान सर्वोच्च कानून के रूप में कार्य करता है। भारतीय कानूनी प्रणाली दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के एक प्रमुख घटक और सभी नागरिकों के लिए संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोर्चे के रूप में विकसित हुई है। चूंकि इसे पहली बार 1950 में अपनाया गया था, भारतीय संविधान में अक्टूबर 2021 तक 105 संशोधन हुए हैं। भारतीय संविधान को 395 लेखों के साथ 22 भागों में विभाजित किया गया है। बाद में, विभिन्न परिवर्तनों के माध्यम से, और लेख जोड़े गए और संशोधन किए गए। जुलाई 2022 तक भारत के कानून और न्याय मंत्रालय के विधायी विभाग द्वारा बनाए गए ऑनलाइन रिपॉजिटरी के अनुसार, लगभग 839 केंद्रीय कानून हैं।

स्वतंत्रता प्राप्ति का महत्व और घर—घर तिरंगा

—संजीव ठाकुर—

कितने गर्व तथा विराट हर्ष का विषय है ऐतिहासिक रूप से सर्वाधिक लंबी आजादी की लड़ाई के बाद भारत ने 15 अगस्त 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त की है और स्वतंत्रता के बाद जन्म लिए नौजवानों को महती आवश्यकता इस बात की है कि वह आजादी के तत्वों से प्रेरणा ले और देशभक्ति को आत्मसात करेंस हमने जितने संघर्षों और बलिदान के बाद स्वाधीनता पाई है उसके पीछे एक बहुत महत्वपूर्ण तथ्य जो उभरकर सामने आया वह है राष्ट्रीय चरित्रस जो आजादी के अमृत महोत्सव मनाने के साथ—साथ हर घर तिरंगा की भावना से भारतीयता एकता में बल तो मिलेगा किंतु देश के राष्ट्रीय चरित्र में आते स्खलन को अनदेखा नहीं किया जा सकतास राष्ट्रीय चरित्र के बिना किसी भी देश या राष्ट्र की आध्यात्मिक भौतिक और मानसिक उन्नति संभव प्रतीत नहीं होती हैस राष्ट्रीय चरित्र में एवं स्वतंत्रता प्राप्ति के यज्ञ में समाज के प्रत्येक वर्ग ने अपने भूभाग को मातृभूमि के रूप में दृष्टिगत रखकर अपनी समान भाषा ,समान संस्कृति को एकरूपता में बांधकर एक विशिष्ट राष्ट्रीयता के रूप में मान्यता प्रदान कर स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया और लंबे इंतजार के बाद वीर सेनानियों में अनेकों बलिदान देने की परिणति के रूप में स्वतंत्रता प्राप्त की थी।

भारत का स्वतंत्रता संग्राम एक तरह से विलक्षण युद्ध था औपनिवेशिक ताकतों के विरुद्ध लड़ा जाने वाला यह संग्राम 500 सालों तक लड़ा गया था।आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, उत्पीड़न के बाद से उभर कर आई मानसिकता के साथ यह युद्ध समाज के हर वर्ग, स्त्री शक्ति, साहित्य प्रभामंडल, राजाओं, सम्राटों और सर्वहारा वर्ग ने मिलकर इस स्वतंत्रता संग्राम को अत्यंत विशेषता की श्रेणी में लाकर अपना बलिदान देकर प्राप्त किया था स संत ,मनीषी, तपस्वी और साधुओं से यह संग्राम अछूता नहीं था इन्होंने इसके मर्म को पहचाना और अपने अपने प्रयासों से राष्ट्र को एक सूत्र में बांधकर स्वतंत्रता के लिए अलख जगाया था स्वाधीनता संग्राम कई वर्ष, कई कालखंड ,कई सामाजिक परिवेश एवं सामाजिक विभिन्नताओं को समेटे हुए था। इन सब में जो एक बात मुख्य धारा में बह रही थी जो समाज के विभिन्न वर्गों को विभिन्न मानसिक धाराओं के जो तार जुड़े हुए थे वे बहुत ही महत्वपूर्ण राष्ट्रीय चरित्र की धारा तथा भावना के थे, जिसके अथक प्रयासों के फल स्वरूप हमने स्वाधीनता का स्वाद चखा था। अट्ठारह सौ सत्तावन की जनक्रांति जो कि सिपाही विद्रोह के रूप में सामने आती है को ब्रिटिश हुकूमत ने बुरी तरह से कुचल दिया सिपाहियों के साथ साथ राजा, महाराजाओं को फांसी दे दी गई थी,इस क्रांति के तहत बहादुर शाह जफर, रानी लक्ष्मीबाई ,नाना साहब पेशवा, कुमार सिंह, तात्या टोपे के साथ बेगम हजरत महल जैसी महिलाओं का बलिदान भी जनमानस में स्थाई रूप से स्थापित हो गया था। तब लोकमान्य तिलक ने एक नारा दिया था स्वाधीनता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है। राष्ट्रीय चरित्र एवं राष्ट्रीय भावनाओं के पोषक जिन पर नेताओं का नाम संग्राम में अपनी आहुति के रूप में आया उनमें महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह ,चंद्रशेखर आजाद, सहगल, ढिल्लों, शाहनवाज, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, वल्लभ भाई पटेल और ना जाने ऐसे कितने नाम है जिन्होंने अपना खून पसीना बहा कर देश को आजादी दिलाई थी। सामाजिक धाराएं जरूर अलग अलग थी किंतु सब का मूल उद्देश्य और लक्ष्य आजादी प्राप्ति ही थी। सभी बलिदानों का ऐतिहासिक महत्व रहा है और सभी धाराओं के बलिदानों का समूचा बराबरी का सम्मान होना चाहिए। इन सभी बलिदानों की कथाएं न सिर्फ हमें जानना चाहिए बल्कि आने वाली पीढ़ी को भी इनके न्योछावर की कहानी अच्छी तरह से मालूम होनी चाहिए ताकि आने वाले वर्षों में हम गर्व महसूस कर सके कि हम उनकी संतानें हैं।

भारत का स्वतंत्रता संग्राम एक तरह से विलक्षण युद्ध था औपनिवेशिक ताकतों के विरुद्ध लड़ा जाने वाला यह संग्राम 500 सालों तक लड़ा गया था।आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, उत्पीड़न के बाद से उभर कर आई मानसिकता के साथ यह युद्ध समाज के हर वर्ग, स्त्री शक्ति, साहित्य प्रभामंडल, राजाओं, सम्राटों और सर्वहारा वर्ग ने मिलकर इस स्वतंत्रता संग्राम को अत्यंत विशेषता की श्रेणी में लाकर अपना बलिदान देकर प्राप्त किया था स संत ,मनीषी, तपस्वी और साधुओं से यह संग्राम अछूता नहीं था ।

आजादी के 77 वां वर्ष में जब हम अमृत महोत्सव मना रहे हैं तो हमारी अपेक्षाएं होंगी कि हम सब मिलकर इस अमृत महोत्सव को एक मील का पत्थर बना कर देश में हर उस चीज का निर्माण करें जिसकी हमें आवश्यकता तो है ही साथ में विश्व के कोने कोने में रहने वालों की आवश्यक वस्तुएं भी शामिल हो जिससे न सिर्फ अपने लिए बनाएं बल्कि पूरी दुनिया को भी बनाकर भेजें तभी हमारे सेनानियों के बलिदान की कहानी को सम्मान मिलेगा। देश को साधु—संतों, चिंतकों ,लेखकों ,शिक्षकों योद्धाओं, राजाओं ,सम्राटों और तत्कालीन नेतृत्व करने वाले जितने युवा गरम तथा नरम दल के नेताओं ने देश को आजाद करने के यज्ञ में आहुति दी है उन सब को नमन करते हुए देश के 77 वें काल के अमृत महोत्सव को हमारा नमन है, प्रणाम और शुभकामनाएं है कि भारत विश्व का नेतृत्व कर उसकी आकांक्षाओं को पूरा कर संपूर्ण राष्ट्र को एक नई दिशा प्रदान करें।

जय हिंद जय भारत।

बैंकों की मनमानी वसूली और उपभोक्ता

— डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा—

पिछले पांच सालों में एसबीआई को छोड़ शेष 11 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने केवल और केवल मिनिमम बैलेंस के नाम पर 8 हजार 500 रु. करोड़ रु. की कमाई की है। इसका साफ साफ अर्थ है कि गरीब आदमी के खातों से साढ़े आठ हजार करोड़ रुपए तो इन बैंकों में न्यूनतम बैलेंस ना रख पाने के कारण गवाने पड़े हैं। यह तो तब है जब देश के सबसे बड़े बैंक ने 2019–20 में न्यूनतम बैलेंस की पेनल्टी के रूप में 640 करोड़ जुर्माना के रूप में वसूलने के बाद न्यूनतम बैलेंस पर पेनल्टी लगाने का आदेश वापिस ले लिया। 12 में से 11 बैंकों की साढ़े 8 हजार करोड़ की पांच साल में पेनल्टी वसूली रही है तो कल्पना की जा सकती है कि निजी क्षेत्र के बैंकों ने इस तरह के जुर्माने से कितना खजाना भरा होगा। साढ़े 8 हजार करोड़ रु. की जुर्माना राशि का आंकड़ा किसी भी तरह से कपोल कल्पित या अतिशयोक्ति पूर्ण नहीं हैं क्योंकि यह जानकारी अधिकृत रुप से संसद में केन्द्रीय वित राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा दी गई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में बैंकों में मार्च, 23 में 294 करोड़ से अधिक खाते हैं। अब यह स्पष्टीकरण देने का कोई मतलब नहीं कि यह पैसा गरीब खातेदारों के अकाउंट्स से ही गया हैं क्योंकि पैसे वाले खाताधारकों के खातों में तो न्यूनतम बैलेंस रहता ही है।

देश में बैंकिंग नेटवर्क का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, 22 निजी क्षेत्र के बैंक, 44 विदेशी बैंक, 56 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, 1485 अरबन कोआपरेटिव बैंक और हजारों की संख्या में ग्रामीण सहकारी बैंकिंग संस्थाएं हैं। यह तो सभी संस्थागत बैंकिंग संस्थाएं है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बैंकिंग सेवाओं का विस्तार हुआ है। 24 गुणा 7 सेवाएं मिलने लगी है। जन धन खातों की परिकल्पना से गरीब से गरीब आदमी का बैंकों से जुड़ाव हुआ है। और अब डिजिटल लेन—देन की सुविधा ने तो सब कुछ ही बदल कर रख दिया है। आज पांच रुपए का धनिया तक पेटीएम या इसी तरह के किसी प्लेटफार्म से आसानी से भुगतान कर खरीदा जा सकता है। दिन प्रतिदिन डिजिटल पेमेंट का चलन आम होता जा रहा है। चंद मिनटों में कहीं से भी किसी को भी मोबाइल या ऑनलाइन बैंकिंग सुविधा से चंद सैकंड में भुगतान पहुंचने लगा है। यह सब बैंकिंग सेवाओं में सुधार और विस्तार का उदाहरण है तो दूसरी ओर नकदी लेन—देन का स्थान डिजिटल पेमेंट ने ले लिया है।

बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार निश्चित रुप से शुभ संकेत माना जाना चाहिए। यह भी साफ है कि लोगों में निश्चित रुप से अवेयरनेस आई है। यह दूसरी बात है कि साइबर ठगी के मामले भी बहुत अधिक होने लगे हैं। पर सबसे अधिक चिंतनीय बैंकों द्वारा अपनी आय बढ़ाने के लिए सुविधाओं के नाम पर चार्जेज लगालगाकर अपनी आय बढ़ाना है। आम आदमी को किसी तरह की गलत फहमी में नहीं रहना चाहिए कि बैंक उन्हें यह सेवाएं फ्री में दे रहे हैं। आज हालात यह है कि एटीएम पोस मशीन से बड़ा बड़ा कारोबारी भुगतान लेने को तैयार नहीं होता।

विधायक अजय सिंह के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्राः दिया संदेश

संवाददाता–बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह के नेतृत्व में बुधवार को बाइक के द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा परशुरामपुर ब्लाक से प्रारंभ होकर मखौड़ा धाम, सिकंदरपुर, चौरी बाजार, हरिगांव से होते हुए बनगवां खास तक निकाली गई। रैली के दौरान हिन्दुस्तान जिन्दाबाद, इंकलाब जिन्दाबाद और भारत माता के जयकारे लगाये गये। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के आह्वान पर राष्ट्रीय पर्व पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा एक महत्वपूर्ण अभियान है। सभी लोगो को राष्ट्रभक्ति से जोड़ने का अच्छा माध्यम है। कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का कार्यक्रम है। यह हमें देश की आन–बान–शान के लिए कुर्बान होने वालों को नमन करने के साथ हमारी देशभक्ति की भावना को मजबूत और जीवंत रखता है। इस अवसर पर सैकड़ो की संख्या में भाजपा पार्टी कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

मुकदमा उठा लेने की धमकी देकर मारा पीटाः एसपी से लगाया न्याय की गुहार

संवाददाता–बस्ती। महुली थाना क्षेत्र के मुरादपुर जनपद संतकबीर नगर निवासी घनश्याम पुत्र स्वर्गीय रामदास ने पुलिस अधीक्षक के साथ ही मुख्यमंत्री को रजिस्टर्ड पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में कहा गया है कि दबंगों ने उन्हें लालगंज थाना क्षेत्र के महसो चौराहे के पास मुकदमा उठाने की धमकी देकर उन्हें और उनके बेटे आदेश को मारा पीटा। कहा अपने समधी से कहो मुकदमा उठवा लें वरना अंजाम बुरा होगा।

भेजे पत्र में घनश्याम ने कहा है कि उसने अपनी लड़की की शादी ग्राम डिलिया थाना कोतवाली जनपद बस्ती निवासी रामनाथ पुत्र रामदून से की है। वे अपने लड़के आदेश के साथ पंचमी का सामान देने एक टेम्पो बुक कराकर अपनी लड़की के यहाँ गत 12 अगस्त को गये थे। सामान देकर उसी दिन अपने लड़के के साथ वापस घर जा रहा था कि महसो चौराहे के आगे लगभग 6 बजे पीछे से चार मोटर साईकिल पर सवार हाथ में हाकी डंडा लिए अभियुक्त गण विजय यादव, शुभम यादव, अजय यादव पुत्रगण रामदीव व पुत्र राम अधीन एवं आदर्श यादव रवि यादव पुत्रगण रामजीत एवं उनके साथ दो अन्य व्यक्ति नाम व पता अज्ञात टेम्पो रोककर माँ बहन की मही मही गालिया देते हुए कहा की अपने समधी से कह दो की मुकदमा उठा ले। उसने कहा मुकदमे की जानकारी उसे नहीं है, इतना कहते ही उक्त लोग लाठी डंडे से मारने पीटने लगे और आदर्श यादव ने चाकू निकालकर उसके लड़के आदेश को जो उसके हाथ पर लगा। लड़के का हाथ कट गया मौके। उसने पुलिस चौकी महसो जाकर घटना की सूचना दिया चौकी पर से 112 नंबर पुलिस लड़के आदेश को अपने साथ एवं उपरोक्त मुल्जिमान में से तीन लोगों को थाना कोतवाली लेकर चली गयी। उसके दामाद एवं दामाद के छोटे भाई को फोन द्वारा कोतवाली बुला लिया किन्तु अभियुक्तों के खिलाफ कोई कानूनी कार्यवाही नहीं किया गया और न ही उसके लड़के का डाक्टरी परीक्षण ही कराया गया। पुलिस ने मुकदमा भी दर्ज नहीं किया। अभियुक्त कोई और हरकत कर सकते हैं। उसने दोषियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराने के साथ ही अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

किया रक्तदानः दिया जीवन बचाने का संदेश

संवाददाता–बस्ती। बुधवार को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सामाजिक संस्था 'सेवा समर्पण भाव परिवार' ने अपने कार्यालय पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। प्रायोजक बस्ती चेरीटेबल ब्लड बैंक के माध्यम से 15 लोगों ने रक्तदान किया। मुख्य अतिथि सुभाष चंद्र त्रिपाठी ने कहा नियमित रक्तदान आपको कई गंभीर बिमारियों से बचाता है। डोनेशन यानी रक्तदान एक ऐसा महादान है जिससे किसी को नया जीवन मिल सकता है। समाज के एक जागरुक और जिम्मेदार नागरिक होने के नाते सभी को रक्तदान करना चाहिए।

हरैया तहसील क्षेत्र के केशवपुर में आयोजित रक्तदान शिविर में सेवा समर्पण भाव परिवार के अध्यक्ष दिलीप पाण्डेय ने कहा कि रक्तदान महादान है रक्तदान करके भी जरूरत मंदो की सेवा की जा सकती है सभी को आगे आकर जरूरत मंदो के लिये रक्तदान करना चाहिये। जीवन अनमोल है रक्तदान से जीवन बचता है तो जीवन बचाने वालों में शामिल होना चाहिये। रक्तदान करने आये उमानाथ पाण्डेय के बड़े भाई का दो दिन पहले मृत्यु हो गयी थी वो कैंसर से पीड़ित थे उन्होंने कहा की मेरे भाई को भी ब्लड की जरूरत पड़ती थी बहुत लोगों ने रक्तदान किया था तो हमारा भी फर्ज बनता है मैं जरूरत मंदो के लिये रक्तदान करूँ। रक्तदान शिविर में शक्ति शरण उपाध्याय, अवधेश चतुर्वेदी, पंकज पाण्डेय, सौरभ पाण्डेय,साकेत त्रिपाठी,संदीप पाण्डेय, पवन गुप्ता, सुरेंद्र त्रिपाठी, त्रिवेणी पाण्डेय, दिनेश पाल, सलमान अहमद, उमानाथ पाण्डेय हरिकेश सिंह, आदि लोगों ने रक्तदान किया। मौके पर ओम प्रकाश मिश्रा, सत्यम मिश्रा,विजय कुमार सिंह, विजय शुक्ला अवधेश चौधरी, संतोष शुक्ला बसंत कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

शिक्षकों ने डीएम को सौंपा 29 सूत्रीय ज्ञापनः समस्याओं के निस्तारण की मांग, नये सत्र में स्कूलों तक नहीं पहुंची किताबे

संवाददाता–बस्ती। बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल के नेतृत्व में संघ पदाधिकारियों और शिक्षकों के प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी रवीश गुप्ता को 29 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि स्थानीय समस्याओं का प्रभावी निस्तारण कराया जाय।

डीएम को सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि कक्षा–1 एवं कक्षा–2 की कोई भी पुस्तक अभी तक बच्चों को विभाग द्वारा नहीं उपलब्ध कराया गया तथा अन्य कक्षाओं की सभी किताबें नहीं प्राप्त कराया गया, जिससे बच्चों के पठन–पाठन में बाधा उत्पन्न हो रही है। शीघ्र पुस्तकों को उपलब्ध कराया जाय। विभागीय पोर्टल पर फीड होने के बाद अभी तक जनपद के लगभग 63000 बच्चों को ड्रेस, जूता, बेग की धनराशि नहीं भेजी गयी। यही नहीं जनपद के अधिकतर बीओआरसी० पर विभाग द्वारा लगाये गये आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया पूरी तरह ठप है, मशीनें खराब है, अनेक विद्यालयों के हैण्ड पम्प खराब हैं या दूषित जल दे रहे हैं। इनकी मरम्मत कराया जाय। विद्यालयों के शिक्षक अपने विद्यालय के बच्चों को लेकर बीओआरसी० पर आते हैं और मशीन न चल पाने के कारण आधार नहीं बनता और वापस चले जाते हैं। अनेक शिक्षक दूर–दूर दूसरे विकास क्षेत्रों में बच्चों को लेकर अपने किराये के संसाधन से आधार कार्ड बनवाने जाते हैं। आधार कार्ड न बन पाने के कारण बच्चों का डी०बी०टी० आदि कार्य नहीं हो पा रहा है। मांग किया गया कि जनपद में शिक्षकों का समायोजन वर्तमान छात्र संख्या के आधार पर किया जाय। पदोन्नति प्रक्रिया शुरू कराया जाय। अकारण शिक्षकों को प्रताडित किया जाता है। इस पर रोक लगाया जाय।

ज्ञापन सौंपने वालों में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव शामिल रहे।

पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान और उनके परिवार का उत्पीड़न बंद कराने की मांग

संवाददाता–बस्ती। बुधवार को समाजवादी पार्टी नेता एवं उ.प्र. अल्पसंख्यक वित्तीय विकास निगम के पूर्व निदेशक अब्दुल गफ्फार के नेतृत्व में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान, उनकी पत्नी तजईन फात्मा, पुत्र अब्दुल्ला आजम खां पर लगाये गये झूठे आरोपों को संज्ञान में लेते हुये उनके परिवार का उत्पीड़न बंद कराकर आरोपों से मुक्त कराया जाय।

ज्ञापन सौंपने के बाद अब्दुल गफ्फार ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ राजनीतिज्ञ मोहम्मद आजम खाँ पर जनपद रामपुर के प्रशासन द्वारा लगभग 180 फर्जी, झूठे एवं निराधार मुकदमें लगाए गए हैं तथा द्वेष की भावना से प्रशासन एवं पुलिस को सांठ–गांठ व मिली भगत से सरासर फर्जी एवं मनगढंत मुकदमों में सजा दिलाई जा रही है। खेद का विषय है कि शासन एवं प्रशासन की यह द्वेषपूर्ण एवं बदले की कार्यवाही मोहम्मद आजम खाँ के पूरे परिवार के खिलाफ की गई है। उनकी सेवानिवृत्त प्रोफेसर पत्नी श्रीमती तजईन फात्मा के विरुद्ध भी इसी प्रकार के झूठे एवं फर्जी मुकदमें लगाये गये हैं। प्रोफेसर तजईन फात्मा राज्य सभा एवं उ०प्र० विधान सभा को सदस्य भी रह चुकी है। यही नहीं आजम खाँ के पुत्र अब्दुल्ला आजम खां जो कि जनपद रामपुर के स्वार टाण्डा विधान सभा क्षेत्र से दो बार विधायक चुने जा चुके हैं, पर भी फर्जी एवं झूठे मुकदमें कायम किये गये हैं।

सपा के जिला उपाध्यक्ष जावेद पिण्डारी ने कहा कि मोहम्मद आजम खां दो साल से अधिक की जेल की यातना पूर्व में भुगत चुके हैं, अभी भी लगभग 11 महीने से जेल में हैं। प्रोफेसर तजईन फात्मा भी लगभग दो साल की जेल की यातना भुगत चुकी हैं एवं उनके पुत्र अब्दुल्ला आजम खां जेल में हैं। राजनीतिक विद्वेष वश आजम खां के परिवार पर साजिशन जुल्म ढाया जा रहा है। इसे बंद कराया जाय। राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजने वालों में मुख्य रूप से राम सिंह यादव, नदीम अंसारी, गुड्डू खान, अरविन्द सोनकर, भोला पाण्डेय, यूनुस आलम, रहमान सिद्दीकी, मो. हारिश, याकूब के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

नरसिंह पटेल के निधन पर शोक

संवाददाता–बस्ती। अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव नरसिंह पटेल अशानी का लखनऊ में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन से शोक की लहर है। बुधवार को भारतीय कुर्मी महासभा के जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा की अध्यक्षता में गोटवा स्थित गौतम बुद्ध मुशली देवी बालिका इण्टर कालेज में शोक सभा आयोजित कर नरसिंह पटेल अशानी को श्रद्धांजलि अर्पित किया। डा. वर्मा ने कहा कि उनका निधन महासभा की बड़ी क्षति है। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में डा हनुमान प्रसाद, बद्री चौधरी, मस्तराम वर्मा, अरविन्द चौधरी, इं के. सी. चौधरी, अशोक वर्मा, बिद्या सागर चौधरी, मंशाराम चौधरी, डा० श्याम नरायण चौधरी, अशोक चौधरी, आर. डी. चौधरी लोग आदि शामिल रहे। दो मिनट के मौन के साथ उपस्थित लोगों ने नरसिंह पटेल अशानी के योगदान पर प्रकाश डाला।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
सामान्य वाद सं0 223/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय फैजाबाद
अब्दुल रऊफ
बनाम
रामभरोसे
1. रामभरोसे पुत्र स्व0 बुद्धिराम निवासी ग्राम व पो0 रैभुआ त0 सोहावल जिला अयोध्या
तारीख पेशी 20–08–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय फैजाबाद
मूलवाद सं0 48/2016
बृजेश गुप्ता
बनाम
भानुमति आदि
1. भानुमति पत्नी राधेश्याम निवासी मकान नं0–2/10/69 नाका मुज्जफरा पो0 नाका परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला–अयोध्या 2. श्रीमती डिगम्बदा पत्नी लक्ष्मण मिश्रा निवासी निकट जयगणेश डिग्री कालेज देवकाली प0 हवेल अवध त0 सदर जिला–अयोध्या
तारीख पेशी 20–08–2024
चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 08 के 20 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
सामान्य वाद सं0 205/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय फैजाबाद
अब्दुल सलाम
बनाम
रामभरोसे
1. रामभरोसे पुत्र स्व0 बुद्धिराम निवासी ग्राम व पो0 रैभुआ त0 सोहावल जिला अयोध्या
तारीख पेशी 20–08–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

दुष्कर्म आरोपी ने जेल में फांसी लगाकर जान दिया

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अपहरण व दुष्कर्म के आरोप में जिला जेल में बंद महाराष्ट्र के आरोपी युवक ने बुधवार सुबह बैरक में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कारागार प्रशासन में इससे हड़कंप मच गया। आनन फानन में फॉरेंसिक जांच कराने के साथ ही एसडीएम व सीओ ने मौके का जायजा लिया। घटना में प्रथम दृष्टया लापरवाही मानते हुए दो सिपाहियों के निलंबन की संस्तुति कर दी गई है। जिला जेल में बुधवार सुबह दस बजे करीब उस समय हड़कंप की स्थिति उत्पन्न हो गई जब हाता नंबर दो के बैरक 10 में बंद एक बंदी का शव लटकता मिला। बंदी रक्षकों व अन्य बंदियों ने उसे फंदे से उतारा। बंदी समीर खान (26) निवासी टीपू सुल्तान चौक, थाना सेगोह, जनपद बुलढाणो, महाराष्ट्र का शव बैरक में बने लोहे के जंगले से गमछे के सहारे लटक रहा था। उसे फंदे से उतारने के बाद तत्काल जेल स्थित अस्पताल ले जाया गया, जहां मृत घोषित कर दिया गया। उसके खिलाफ अकबरपुर कोतवाली में बीते दिनों किशोरी के अपहरण का मुकदमा दर्ज हुआ था। किशोरी के मिलने के साथ ही आरोपी को हिरासत में लेकर जेल भेजा गया। चिकित्सीय परीक्षण में दुष्कर्म की पुष्टि हुई थी। जेल प्रशासन के अनुसार बीते 10 अगस्त को ही जिला जेल में दाखिल किया गया था। बंदी की मौत होने के बाद जेल अधीक्षक शशिकांत मिश्र ने जिला प्रशासन को पूरे प्रकरण से अवगत कराया। इसके बाद एसडीएम सदर सौरभ शुक्ल व सीओ देवेंद्र कुमार मौर्य जेल पहुंचे। एसडीएम की मौजूदगी में शव का पंचनामा करने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। परिवार को घटना की जानकारी भिजवा दी गई। शव का चिकित्सकों के पैनल से पोस्टमार्टम कराने के लिए प्रक्रिया अपनाई जा रही है। इस बीच इस पूरे मामले में प्रथम दृष्टया लापरवाही पाए जाने पर दो बंदी रक्षकोंसिपाहियों के निलंबन के लिए संस्तुति कर दी गई है।

पराग

"पराग है सेहत की धारा"
"सदैव पराग पाश्चुराईज्ड दूध का प्रयोग करें"

एवं

विभिन्न बीमारियों से बचें।
दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि0, अयोध्या परिवार के तरफ से
समस्त दुग्ध उत्पादकों तथा पराग उपभोक्ताओं को

:- स्वतंत्रता दिवसः-
आजादी का अमृत महोत्सव
वर्ष 2024
के
शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें

एवं दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि0, अयोध्या के उच्च गुणवत्तायुक्त पराग उत्पाद
दूध, घी, मक्खन, पनीर, मट्ठा, मीठी दही, सादी दही, पेड़ा, बेसन लड्डू, सोनपपड़ी, गुलाब जामुन, रसगुल्ला, फूलेवर्ड मिल्क, छेना खीर, मिल्क केक, कलाकन्द आदि

"पराग दूध है जहां, स्वस्थ जीवन है वहां
पराग दूध एवं दुग्ध पदार्थ प्राकृतिक है।
पराग दूध अपनाऐं–सुखी जीवन बिताऐं।"

आशीष कुमार श्रीवास्तव
सामान्य प्रबन्धक
आनन्द कुमार सिंह 'मोनी'
अध्यक्ष

दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि0 अयोध्या

पत्रांक /दुसंअयो/प्रशा0/2024 दिनांक 14–8–2024

आजादी के जश्न में डूबी रामनगरी, हर तरफ उत्साह

संवाददाता–अयोध्या। अंग्रेजों की गुलामी से निजात मिलने पर भारत को 15 अगस्त 1947 को मिली आजादी की 78वीं वर्षगांठ गुरुवार को मनायी जाएगी। रामनगरी अयोध्या आजादी मनाने के उत्साह में बुधवार देर शाम से ही डूब गई। कलेक्ट्रेट, नगर निगम कार्यालय, चौक घंटाघर सहित अन्य सरकार भवन तिरंगी रोशनी से जगमगा उठे। स्वतंत्रता दिवस के उल्लास में स्कूल–कालेजों में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति के लिए नन्हे–मुन्ने बच्चे, किशोर और युवा छात्र–छात्राओं ने बुधवार को ही रिहर्सल पूरी कर ली। कोई महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, चंद्रशेखर आजाद और कोई महारानी लक्ष्मी बाई की भूमिका निभाने को तैयार है। आजादी के वीर शहीदों की प्रतिमाओं पर फूल मालाएं अर्पित किए जाएंगे। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने स्वाधीनता दिवस की 78वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर समस्त जनपद वासियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जनपद स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

आयुक्त व डीएम ने नागरिकों को दी स्वतंत्रता दिवस की बधाई

संवाददाता–अयोध्या। मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने मंडलवासियों तथा जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने जनपदवासियों को स्वाधीनता दिवस की 78वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर हार्दिक बधाई दी है। अधिकारियों ने कहा कि इस राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले सभी महान विभूतियों एवं सभी पूर्वजों का पुण्य स्मरण करते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, चन्द्रशेखर आजाद, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद, अशफाक उल्ला खां, डॉ. राम मनोहर लोहिया, आचार्य नरेन्द्र देव, पं. दीनदयाल उपाध्याय सहित समस्त स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों एवं बलिदानियों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। हमारा देश लम्बे समय तक परतंत्र रहने के उपरान्त महान स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों एवं देशवासियों के दृढ़ संकल्प, त्याग और संघर्ष बलिदान से स्वतंत्र हुआ।

कार्यालय-ग्राम पंचायत नेवरीगाड़ा कुसरौत विकास खण्ड-बहादुरपुर जिला-बस्ती

–::सूचना::–

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत नेवरीगाड़ा कुसरौत में उचित दर विक्रेता का चयन हेतु दिनांक– 14.08.2024 को सदस्यगणों के साथ बैठक कर निर्णय लिया गया कि दिनांक–29.08.2024 को पंचायत भवन नेवरीगाड़ा कुसरौत पर दिन में 11.00 बजे चयन हेतु बैठक आहूत की गयी है।

प्रधान
स्मिर्तिभूषण स्वामी

सचिव
ज्ञानेन्द्रधर द्विवेदी

पत्रांक / मेमो / दिनांक–14.08.2024

मंडलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केंद्र उ. प्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड जनपद -बस्ती

पत्रांकः– 118–20 / म.ग्रा. प्रशि. के. बस्ती / नि0 /को0 /2024–25 दिनांक 14.08.2024

अल्पकालीन निविदा/कोटेशन विज्ञप्ति

मण्डलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र, बस्ती द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 जनपद सिद्धार्थनगर में जनपद / तहसील स्तर पर आयोजित होने वाले 10 दिवसीय विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत प्रशिक्षण से सम्बन्धित प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थियों हेतु चाय / नाश्ता / डिनर एंव प्रशिक्षण से सम्बन्धित अन्य सामानों जैसे स्टेशनरी / साहित्य, प्रशिक्षण व्यवस्था, कच्चा माल, फोटो एवं विडियोग्राफी तथा असेसमेन्ट व विविध व्यय हेतु अलग–अलग मोहर बन्द तकनीकी एंव वित्तीय निविदायें / कोटेशन आमन्त्रित किये जाते हैं।

नियम एवं शर्तें

1. उपरोक्त कार्यों का विस्तृत विवरण निविदा / कोटेशन फार्म पर अंकित हैं, जो कार्यालय से कार्य दिवस में प्राप्त कर सकते हैं।
2. अनुभवी व्यक्ति पंजीकृत (GST, INCOME TAX PAID) फर्मो से ही तकनीकी / वित्तीय बिड आमंत्रित की जाती है।
3. निविदायें / कोटेशन दिनाक 21.08.2024 को 12:00 बजे तक तकनीकी एंव वित्तीय बिड अलग–अलग लिफाफे में डाली जायेंगी, तथा उसी दिन अपरान्ह 01:30 बजे समिति के समक्ष खोली जायेगी।
4. निविदायें / कोटेशन को बिना कारण बतायें निरस्त करने का पूर्ण अधिकार प्राचार्य का होगा।
5. निर्धारित चिन्हांकित निविदा / फार्म धनराशि रू० 500.00 का नगद भुगतान कर कार्यालय मण्डलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र, बस्ती से प्राप्त किये जा सकते हैं।
6. प्रत्येक निविदा के लिए अलग–अलग फार्म मान्य होगा।
7. पंजीकृत अनुभवी फर्मों को ही वरियता दी जायेगी।
8. चाय / नाश्ता / लन्च / डिनर हेतु रू० 10,000.00 (रू० दस हजार मात्र) व अन्य हेतु रू० 5,000.00 (रू० पांच हजार गात्र) ही जमानत के रूप में FDR-"U.P KHADI & VILLAGE INDUSTRIES BOARD-BASTI" के नाम जमा करना होगा।
9. खानपान एवं सामानों की गुणवत्ता सही नही पाये जाने पर टेन्डर / कोटेशन प्राचार्य द्वारा कभी भी निरस्त कर दिया जायेगा।

(एम0 जेड0 खान)
प्राचार्य
मण्डलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र बस्ती

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या–47 / 2024
1. श्रीमती नन्दनी पत्नी लालमन उम्र 56 वर्ष साकिन दैजौली तप्पा नगवा परना नौगढ़ तहसील नौगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर
प्रार्थी / प्रार्थीगण
बनाम
इस्टेट
प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
तारीख पेशी 13–09–2024
अपने माता / पुत्र मृतक शिव प्रसाद गौड़ को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।
चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 09 के 13 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा 10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर उप किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।
2024 के 08 के 14 दिवस को दिनांकित।
द0 हाकिम

रिश्वत मांगने पर लेखपाल निलंबित, जांच शुरू

संवाददाता–अयोध्या। रुदौली तहसील के एसडीएम प्रवीण कुमार यादव ने कसारी ग्रामसभा के लेखपाल रामशंकर गुप्त को घूस मांगने के आरोप में निलंबित कर दिया है। निलंबित लेखपाल द्वारा गांव के ही एक व्यक्ति से घरौनी दर्ज कराने के लिए 10 हजार रुपए घूस मांगने का ऑडियो वायरल होना बताया जा रहा है। एसडीएम ने मामले में लेखपाल को प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए अग्रिम कार्रवाई के लिए तहसीलदार राजेश कुमार वर्मा को सौंपी है। रुदौली तहसील क्षेत्र के कसारी गांव के राजेश कुमार से घूस मांगने के मामले में लेखपाल गुप्त पर कार्रवाई से अन्य लेखपालों में भी भय का माहौल है। वायरल आडियो के मुताबिक कसारी के युवक से घरौनी में नाम दर्ज करने के लिए लेखपाल 10 हजार रुपए घूस मांग रहा है, लेकिन संबंधित व्यक्ति घूस देने असमर्थता व्यक्त कर रहा है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 285 / 2024
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती
जिला–बस्ती
रामबोध पाण्डेय आदि
बनाम
दिवाकर पाण्डेय आदि
1. दिवाकर पाण्डेय आयु लगभग 55 वर्ष 2. प्रभाकर पाण्डेय आयु लगभग 52 वर्ष 3. योगेश आयु लगभग 40 वर्ष पुत्रगण राम प्रसाद निवासीगण ग्राम टेमा तप्पा हवेली परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 17–09–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 94 / 2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती
जिला–बस्ती
राममिलन
बनाम
बुझावन आदि
1. बुझावन उम्र 52 साल 2. अर्जुन उम्र लगभग 61 साल 3. रामहरीश उम्र लगभग 44 साल 4. जितानें उम्र लगभग 47 साल पुत्रगण स्व0 रामनरेश 5. गिरजेश उम्र लगभग 49 वर्ष पुत्र रामगुलाम साकिन चित्राखोर तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 17–10–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

नगर निगम कार्यकारिणी में भाजपा सदस्यों की संख्या हुई दस, सपा दो पर सिमटी

संवाददाता–गोरखपुर। कार्यकारिणी से खाली हुई छह सीटों के लिए निर्विरोध निर्वाचन की स्थिति भाजपा से पांच उम्मीदवार सरवन पटेल, सरोज पासवान, ऋषि मोहन, पवन त्रिपाठी, छोटे लाल गुप्ता ने किया नामांकन सपा से एक उम्मीदवार अशोक यादव ने ही किया नामांकन आपसी सहमति से जितनी सीटें, उतने ही हुए नामांकन अब 12 सदस्यीय कार्यकारिणी में भाजपा के दस और सपा के सिर्फ दो सदस्य होंगे पहली कार्यकारिणी में सपा के तीन और भाजपा के नौ सदस्य थे भाजपा ने एक और सदस्य बढ़ाने में हासिल की कामयाबी सपा ने तीन सदस्यों को चुनाव लड़ाने की घोषणा की थी, लेकिन नामांकन सिर्फ एक का कराया

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नं0मु0–
धारा 144 उ0प्र0रा0सं0
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक हरैया जिला–बस्ती
इन्द्रावती उर्फ चिम्पू देवी
बनाम
विरेन्द्र प्रसाद
1. विरेन्द्र प्रसाद पुत्र गिरजा प्रसाद 2. कान्ती देवी विधवा गिरजा प्रसाद 3. राजेन्द्र प्रसाद पुत्र गिरजा प्रसाद साकिनान मौजा धरमपुर तप्पा बनगवां परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 16–08–2024
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

पूर्वोत्तर रेलवे — अधिसूचना सं.: 154/2024

रेल यात्री बन्धुओं के लिये आवश्यक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों की अत्यधिक भीड़ होने के कारण अतिरिक्त विशेष गाड़ी निम्नलिखित समय पर चलाई जायेगी।

गाड़ी सं. 04829/04830 जोधपुर–गोरखपुर–जोधपुर विशेष गाड़ी

गाड़ी सं. 04829 जोधपुर से प्रत्येक वृहस्पतिवार
दिनांक 15–08–2024 से 26–09–2024 तक (07 ट्रिप)
गाड़ी सं. 04830 गोरखपुर से प्रत्येक शुक्रवार
दिनांक 16–08–2024 से 27–09–2024 तक (07 ट्रिप)

04829 जोधपुर–गोरखपुर		स्टेशन	04830 गोरखपुर–जोधपुर	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
–	16:15	जोधपुर	04:00	–
17:35	17:40	मेड़ता रोड	01:10	01:20
18:15	18:18	डेगाना	23:48	23:51
18:43	18:45	छोटी खाटू	22:51	22:53
19:21	19:24	डीडवाना	22:22	22:25
19:57	20:00	लाडनूं	21:56	21:59
20:10	20:13	सुजानगढ़	21:43	21:46
21:30	21:35	रतनगढ़	21:05	21:10
22:15	22:25	चुरू	19:50	20:00
23:40	23:45	सादुलपुर	18:55	19:00
00:25	00:30	लोहारू	18:00	18:02
01:05	01:07	महेन्द्रगढ़	17:16	17:18
02:30	02:40	रेवाड़ी	16:30	16:35
03:26	03:28	गुड़गांव	15:02	15:04
03:43	03:45	दिल्ली कैण्ट	14:30	14:32
04:30	04:45	दिल्ली	13:50	14:00
05:48	05:50	गाजियाबाद	13:15	13:17
08:25	08:35	मुरादाबाद	11:00	11:10
10:10	10:15	बरेली	09:31	09:33
15:00	15:10	लखनऊ	05:55	06:05
16:20	16:30	अयोध्या कैण्ट	02:35	02:45
17:05	17:15	अयोध्या धाम	02:15	02:20
18:17	18:20	मनकापुर	01:30	01:32
19:04	19:07	बस्ती	00:31	00:34
19:29	19:31	खलीलाबाद	00:04	00:06
20:50	–	गोरखपुर	–	23:25

रेक संरचनाः वातानुकूलित द्वितीय-01, वातानुकूलित तृतीय-04, शयनयान-11, सामान्य द्वितीय श्रेणी-02, एसएलआर / डी-02 = कुल 20 कोच।

मुजाहि / टी-40 मुख्य यात्री परिवहन प्रबन्धक, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com